ओलिंपिक टेस्ट इवेंटः चीन से मुकाबला ड्रॉ, भारतीय महिला टीम फाइनल में

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तोक्यो। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां चीन से गोलरहित ड्रॉ खेलकर ओलिंपिक टेस्ट इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम पहले क्वॉर्टर में अच्छी लय में दिख रही थी और उसने चीनी रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया। दुनिया में 10वें नंबर की भारतीय महिला टीम को आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिल लेकिन गुरजीत कौर इसे गोल में नहीं बदल पाईं। भारत ने दूसरे क्वॉर्टर में भी आक्रामक शुरुआत की और उसने 17वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। गुरजीत के प्रयास को फिर से चीनी गोलकीपर डॉंगझियाओ ली ने नाकाम कर दिया। चीन को फाइनल में पहुंचने के लिए जीत की दरकार थी लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसके हर हमले को असफल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारतीय महिला टीम तीन मैचों में पांच अंक लेकर शीर्ष पर रही और अब बुधवार को फाइनल में उसका मुकाबला विश्व में 14वें नंबर के जापान से होगा। तीसरे और चौथे स्थान के लिए चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच भिड़ंत होगी।

टीम का सिलेक्शन विराट के लिए मुश्किल टास्क

दुविधा

टीम में अजिंक्य रहाणे और रोहित शर्मा या पांचवां गेंदबाज ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एंटीगा। भारतीय टीम प्रबंधन वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग इलेवन चुनने को लेकर उहापोह की स्थिति में हैं। दरअसल, टीम के पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ उतरने की दशा में रोहित शर्मा और अंजिक्य रहाणे में से किसका चयन करना है यह अभी तय नहीं हुआ है। भारत अगर 4 गेंदबाजों के साथ उतरने की रणनीति पर चलता है तो रोहित और रहाणे दोनों को अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है।

हनुमा विहारी का पलड़ा भारी

अगर भारतीय टीम प्रबंधन परंपरागत रणनीति से चलता है तो केएल राहुल और मयंक अग्रवाल को पारी का आगाज करना चाहिए, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि राहुल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम

दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में नहीं चुना गया था और हनुमा विहारी ने पारी की शुरुआत की थी। विहारी ने हालांकि ज्यादा रन नहीं बनाए, लेकिन उन्होंने गेंद की चमक उतारने में अहम भूमिका निभाई जिसका अग्रवाल और चेतेश्वर पुजारा को फायदा मिला।

ऐसा हो सकता है मिडल आर्डर

अगर राहुल के पिछले एल साल के खराब टेस्ट रेकॉर्ड को ध्यान में रखा जाता है तो विहारी फिर से पारी का आगाज कर सकते हैं। पुजारा और कोहली तीसरे और चौथे नंबर पर दो मजबूत स्तंभ हैं, लेकिन समस्या उसके बाद शुरू होती है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत छठे नंबर पर उतर सकते हैं और हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में रविंद्र जडेजा टीम को संतुलन देने के लिए 7वें नंबर पर आ सकते हैं।

रहाणे पर भारी पड़ रही रोहित की फॉर्म

टीम का कॉम्बिनेशन देखे हुए कोहली को रोहित और रहाणे में से किसी एक का ही चयन करना होगा। रोहित ने अपनी अंतिम टेस्ट पारी में नाबाद अर्धशतक जमाया था और अभ्यास मैच की पहली पारी में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। रहाणे ने दूसरी पारी में रन बनाए, लेकिन वह अच्छी फॉर्म में नहीं हैं और यहां तक कि हैंपशर के लिए काउंटी क्रिकेट में खेलते हुए भी उनका आत्मविश्वास नहीं बढ़ पाया। इन दोनों को चार गेंदबाजों के साथ उतरने की रणनीति पर ही एकादश में शामिल किया जा सकता है।

गेंदबाजी लाइन कैसी होगी?

ऐसे में तीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा तथा रविचंद्रन अश्विन या कुलदीप यादव के रूप में एकमात्र स्पिनर को टीम में रखा जाएगा।

क्रिकेटर श्रीसंत को बड़ी राहत

- बीसीसीआई ने लाइफटाइम बैन को घटाकर 7 वर्ष किया
- बैन 2013 से लागू होकर 2020 में खत्म होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लोकपाल डीके जैन ने आदेश दिया है कि कथित स्पॉट फिक्सिंग मामले में कलंकित तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का प्रतिबंध अगले साल अगस्त में खत्म हो जाएगा, क्योंकि वह 6 साल से चले आ रहे प्रतिबंध के कारण अपना सर्वश्रेष्ठ दौर पहले ही खो चुके हैं। बीसीसीआई ने श्रीसंत पर अगस्त 2013 में प्रतिबंध लगाया था।

उनके अलावा आईपीएल में कथित तौर पर स्पॉट फिक्सिंग के आरोप में राजस्थान रॉयल्स के अजीत चंदीला और अंकित चव्हाण पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। उच्चतम न्यायालय ने इस साल 15 मार्च को बीसीसीआई की अनुशासन समिति का फैसला बदल दिया था। अब 7 अगस्त के अपने फैसले में जैन ने कहा कि यह प्रतिबंध 7 वर्ष का होगा और वह अगले साल क्रिकेट खेल सकेंगे।

जैन ने कहा, 'अब श्रीसंत 35 पार के हो चुके हैं। बतौर क्रिकेटर उनका सर्वश्रेष्ठ दौर बीत चुका है। मेरा मानना है कि किसी भी तरह के व्यावसायिक क्रिकेट या बीसीसीआई या उसके सदस्य संघ से जुड़ने पर श्रीसंत पर लगा प्रतिबंध 13 सितंबर 2013 से सात बरस का करना न्यायोचित होगा।' बीसीसीआई ने 28 फरवरी को

न्यायालय में कहा था कि श्रीसंत पर लगा आजीवन प्रतिबंध सही है, क्योंकि उन्होंने मैच के परिणाम को प्रभावित करने की कोशिश की थी। वहीं श्रीसंत के वकील ने कहा कि आईपीएल मैच के दौरान कोई स्पॉट फिक्सिंग नहीं हुई और श्रीसंत पर लगाए गए आरोपों के पक्ष में कोई सबूत भी नहीं मिला।

कुश्ती से प्यार के कारण अभी तक खेल रहा हूंः सुशील कुमार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत के दिग्गज पहलवान सुशील कुमार 36 साल की उम्र में भी मैट पर दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह छठी बार विश्व कुश्ती चौंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। इतनी उम्र में खेलने का कारण उनका कुश्ती से प्यार है। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट सुशील सितंबर में कजाकिस्तान में वर्ल्ड चौंपियनशिप में 74 किलोग्राम भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। सुशील इस भारवर्ग में साल 2014 से लड़ रहे हैं और तब से वह दो बार राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीत चुके हैं।

सुशील की अभी तक की सबसे बड़ी उपलब्धि 2010 में विश्व चौम्पियनशिप में स्वर्ण और दो बार ओलिंपिक ब्रॉन्ज 66 किलोग्राम में आई हैं। जकार्ता में बीते साल खेले गए एशियाई खेल के बाद से सुशील ने बेलारूस में मिन्स्क में खेले गए टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। इस लिहाज से एशियाई खेलों के बाद विश्व चौम्पियनशिप सुशील का पहला बड़ा टूर्नामेंट होगा। सुशील ने मंगलवार को दिल्ली में ट्रायल्स के बाद संवाददाताओं से कहा, 'एक पहलवान के लिए लंबे समय बाद मैट पर वापसी करना आसान नहीं होता है।

न्यूज डायरी

अंकिता यूएस ओपन क्वॉलिफाइंग के दूसरे दौर में, रामकुमार बाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दिल्ली। न्यूयॉर्क भारत की शीर्ष महिला एकल खिलाड़ी अंकिता रैना ने यूएस ओपन क्वॉलिफायर्स के पहले दौर में बेल्जियम की 9वीं वरीयता प्राप्त यासलीन बोनावेंचुरे को शिकस्त देकर दूसरे दौर में जगह पक्की की। पुरुष एकल में रामकुमार रामनाथन हार के साथ टूर्नमेंट से बाहर हो गए। वर्ल्ड रैंकिंग में 194वें स्थान पर काबिज अंकिता ने रैंकिंग में 114वें पायदान की खिलाड़ी को 6–1, 1–6, 6–2 से हराया। उन्होंने इस खिलाड़ी को 2014 में भी क्ले कोर्ट पर हराया था। अंकिता का दूसरे दौर में चेक गणराज्य की देनिया एल्लेरटोवा से सामना होगा जिनकी विश्व रैंकिंग 279वीं है। अंकिता इससे पहले ग्रैंडस्लैम क्वॉलिफायर्स के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ी हैं। ऐसे में उनके पास यह बाधा पार करने का अच्छा मौका होगा। पुरुष एकल में रामकुमार रामनाथन इटली के फिलिपो बालदी से 5–7, 6–7 से हार गए। फिलिपो के खिलाफ उन्होंने कोशिश की लेकिन वह लगातार दोनों सेट हारकर इस टूर्नमेंट से बाहर हो गए।

विराट की बादशाहत को स्मिथ से मिल रही चुनौती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। वर्तमान दौर में टेस्ट में बेस्ट बल्लेबाज कौन है? इस सवाल पर क्रिकेट के जानकार टॉप 2 खिलाड़ियों को लेकर हमेशा चर्चा में करते रहते हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली खेल के किसी भी स्तर पर एक दूसरे से कम नहीं हैं। क्रिकेट में एक साल का प्रतिबंध झेलकर आए स्टीव स्मिथ ने एशेज सीरीज से टेस्ट क्रिकेट में अपनी वापसी कर ली है। अपनी वापसी के साथ ही स्मिथ ने टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर काबिज विराट कोहली के सामने अपना मजबूत दावा पेश कर दिया है। एशेज सीरीज में पहली तीन पारियां ही खेलीं थीं। एक साल क्रिकेट से बाहर रहने के दौरान वह टेस्ट रैंकिंग में पहले स्थान से खिसक कर चौथे स्थान पर आ गए थे। लेकिन एजबेस्टन के मैदान से टेस्ट की पिच पर लौटे स्मिथ ने दिखा दिया कि रनों को लेकर उनकी भूख और बढ़ गई है और यहां उन्होंने अपनी टीम को न सिर्फ मुश्किलों से निकाला बल्कि उसे टेस्ट में जीत भी दिलाई। स्मिथ ने इस टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ा। इसके बूते टेस्ट रैंकिंग में वह चौथे स्थान से तीसरे पर आ गए।

मैक्ग्रा बोले, हेडिंग्ले टेस्ट में स्मिथ के नहीं होने से बड़ा नुकसान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पूर्व गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने मंगलवार को कहा है कि स्टीव स्मिथ का एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट हेडिंग्ले में गुरुवार से शुरू हो रहा है। बीबीसी ने मैक्ग्रा के हवाले से लिखा, 'उनका (स्मिथ) हेडिंग्ले टेस्ट से बाहर होना ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है। वह अभी तक पूरी सीरीज में बेहतरीन खेलते आ रहे थे। उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि वह अलग स्थिति में बल्लेबाजी कर रहे हैं।' स्मिथ को लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गेंद गर्दन पर लग गई थी। वह रिटायर्ड हर्ट होकर बाहर चले गए थे और थोड़ी देर बाद वापस आए। अगर दिन जब वह सुबह उठे तो उनके सिर में दर्द हुआ जिसके बाद उनकी जांच की गई जिसमें उनकी स्थिति ठीक नहीं पाई गई। इसके बाद वह अंतिम दिन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में नहीं उतरे।

एमएस धोनी के रेकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं कोहली, सिर्फ एक जीत हैं दूर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। विराट कोहली अगर एक और टेस्ट जीत हासिल कर लेते हैं तो वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भारत के लिए सबसे ज्यादा जीत हासिल करने के महेंद्र सिंह धोनी के रेकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। कोहली गुरुवार से विंडीज के खिलाफ शुरू हो रहे टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं।